Under CSR Support by ipca | Foundation

ARJUN BATCH

11th GEOGRAPHY

भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत

आकृतिक प्रक्रियाए

अध्याय-5 • भाग-01

21 सितंबर 2026 || 04:00 PM



missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

महाद्वीप - महासागर

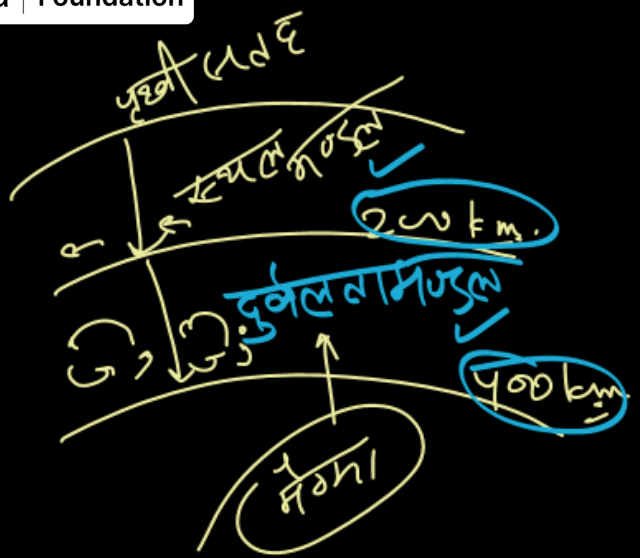
- संरचना
- नवीन भूपर्पटी
- भूपर्पटी विन्यास में परिवर्तन



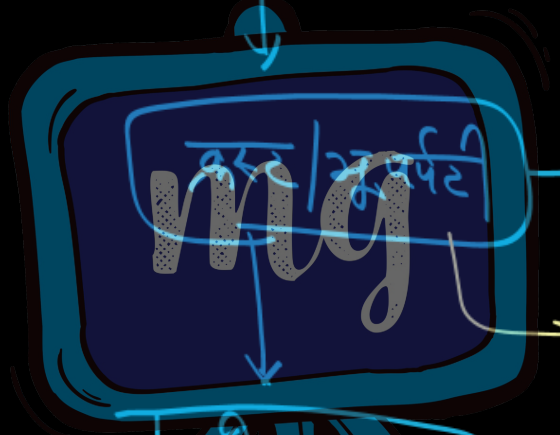


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



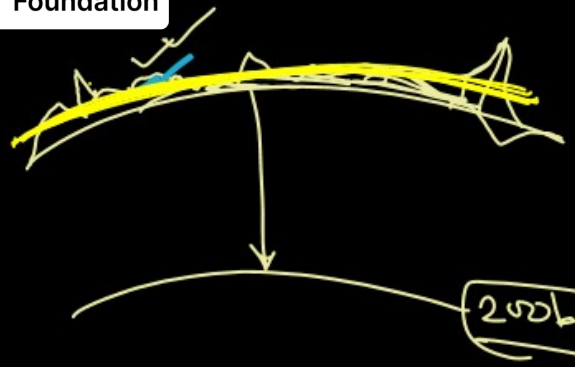
पृथ्वी → गतिशील
- घूर्णन
- परिक्रमण



ठोस भूपर्पटी → गतिशील → क्षैतिज, ऊर्ध्वाधर
ठोस भूपर्पटी → लेटे (विवर्तनिक लेटे)
मैण्टल (प्रावार) → गतिशील
मैण्टल (प्रावार) → दुर्बलतामण्डल → मैग्मा → वृत्ताकार गति

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



स्थलमंडल

आन्तरिक बल
(अन्तर्जनित बल)

बाह्य बल

(बहिर्जनिक बल)

पर्वत
पठार
मैदान

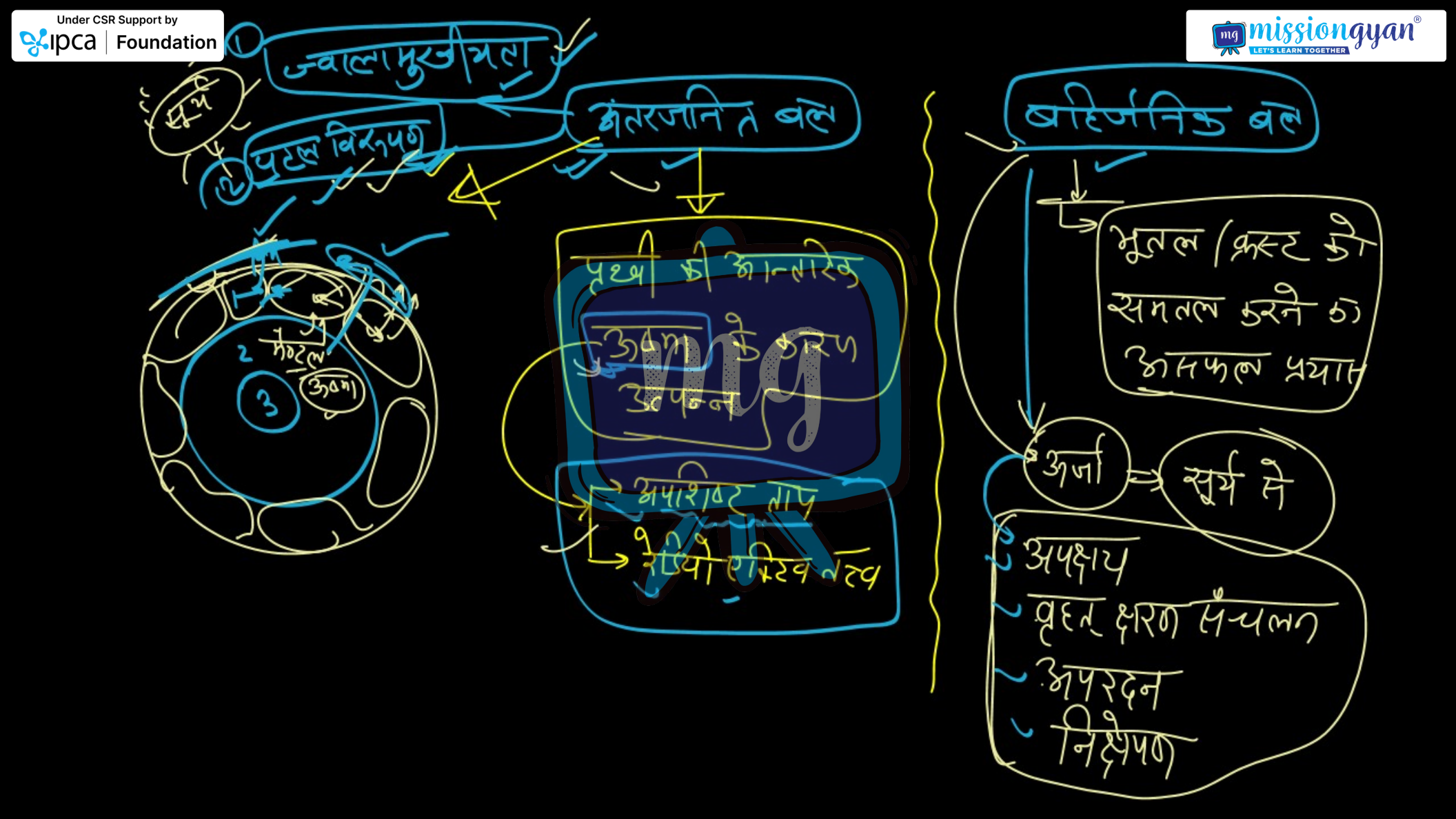
भूतल के विन्यास का निर्माण व परिवर्तन करते हैं।

भूतल पर उपस्थित असमानताओं को दूर करने का प्रयास करते हैं

अपरदन

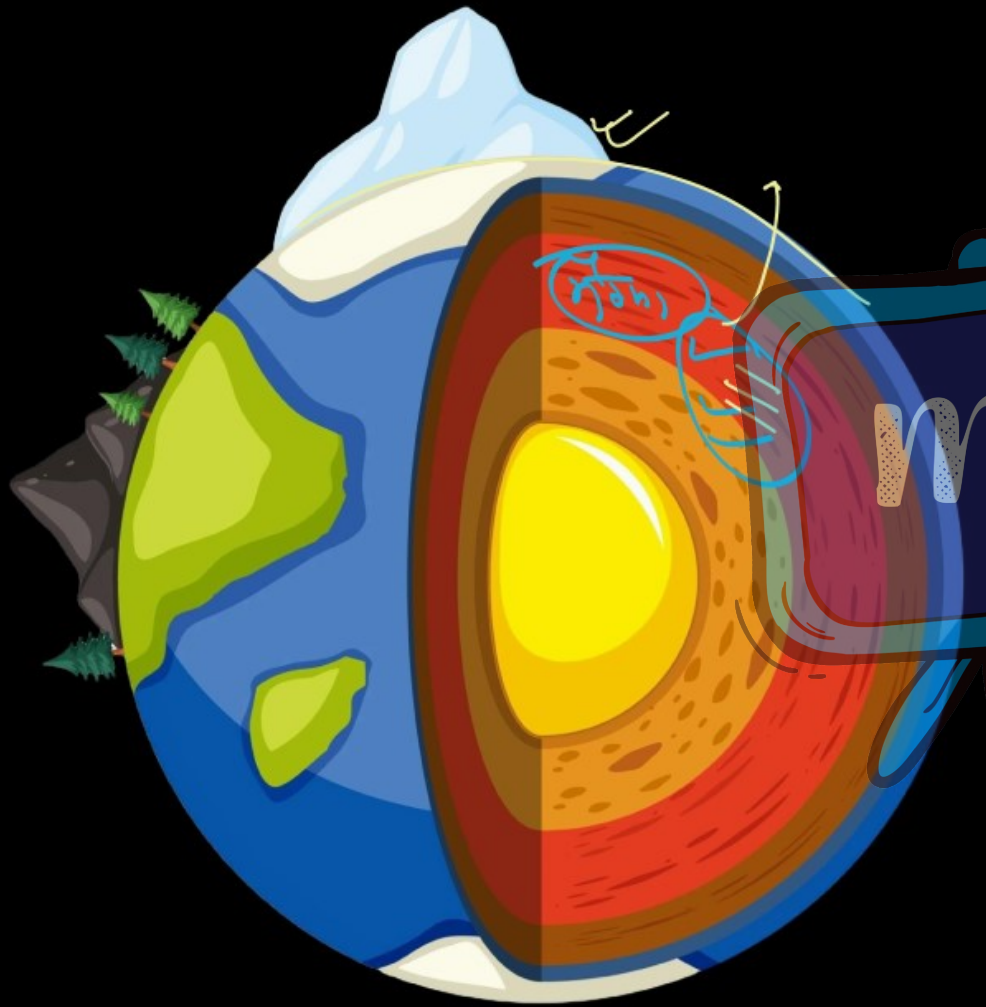
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भू-आकृतिक प्रक्रियाएँ

- भू-पर्पटी गत्यात्मक हैं।
- भू-पर्पटी का निर्माण करने वाले पृथ्वी के भीतर सक्रिय आन्तरिक बलों में पाया जाने वाला अन्तर ही पृथ्वी के बाह्य सतह में अन्तर के लिए उत्तरदायी है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- धरातल पृथ्वी मण्डल के अन्तर्गत उत्पन्न हुए बाह्य बलों एवं पृथ्वी के अन्दर उद्भूत आंतरिक बलों से अनवरत प्रभवित होता है।
- यह सर्वदा परिवर्तनशील है।
- बाह्य बल – बहिर्जनिक बल
- आन्तरिक बल – अन्तर्जनित बल

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



बहिर्जनिक बल

- उभरी हुई भू-आकृतियों का विघर्षण।
- बेसिनों का भराव।

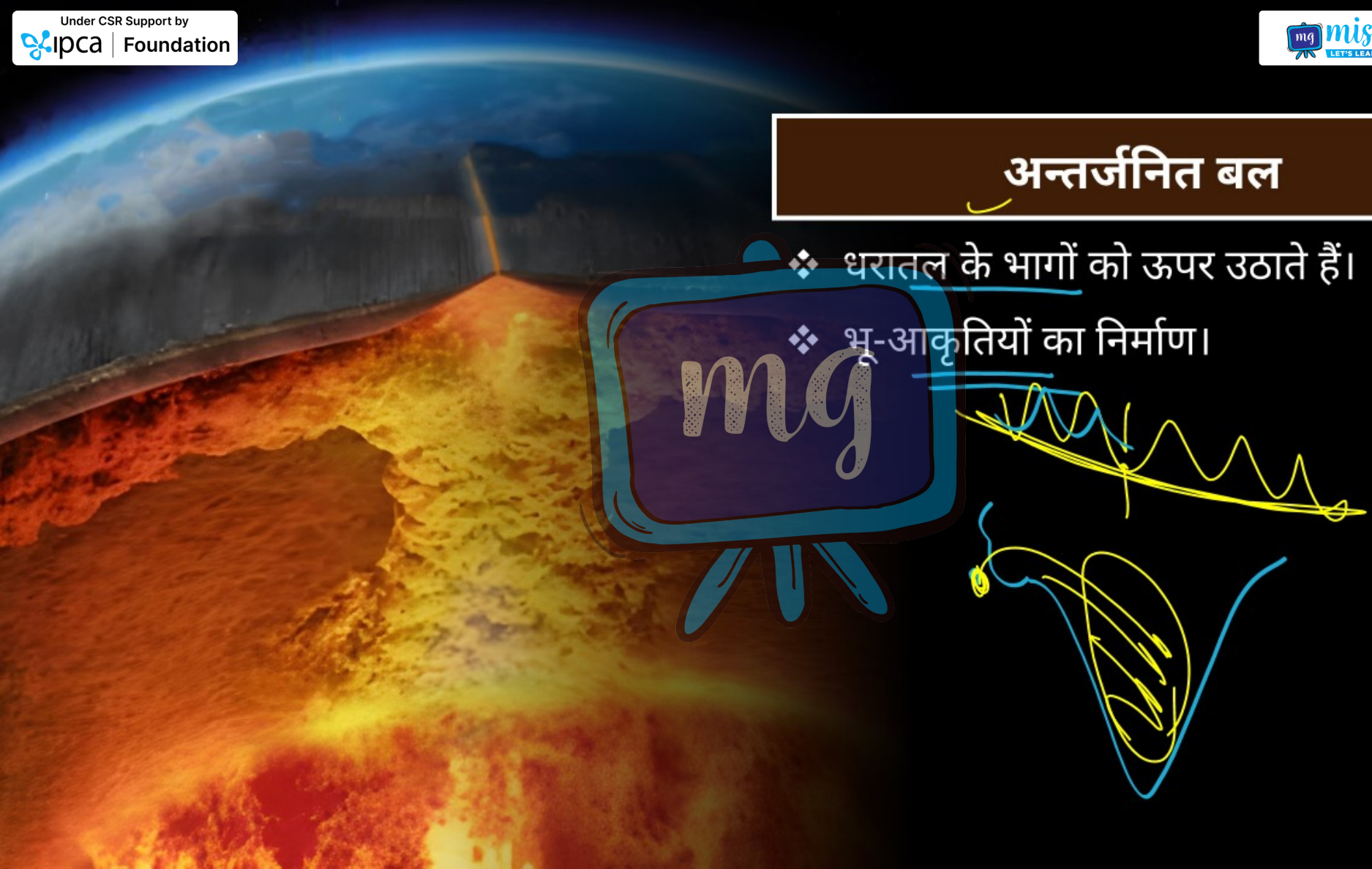


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

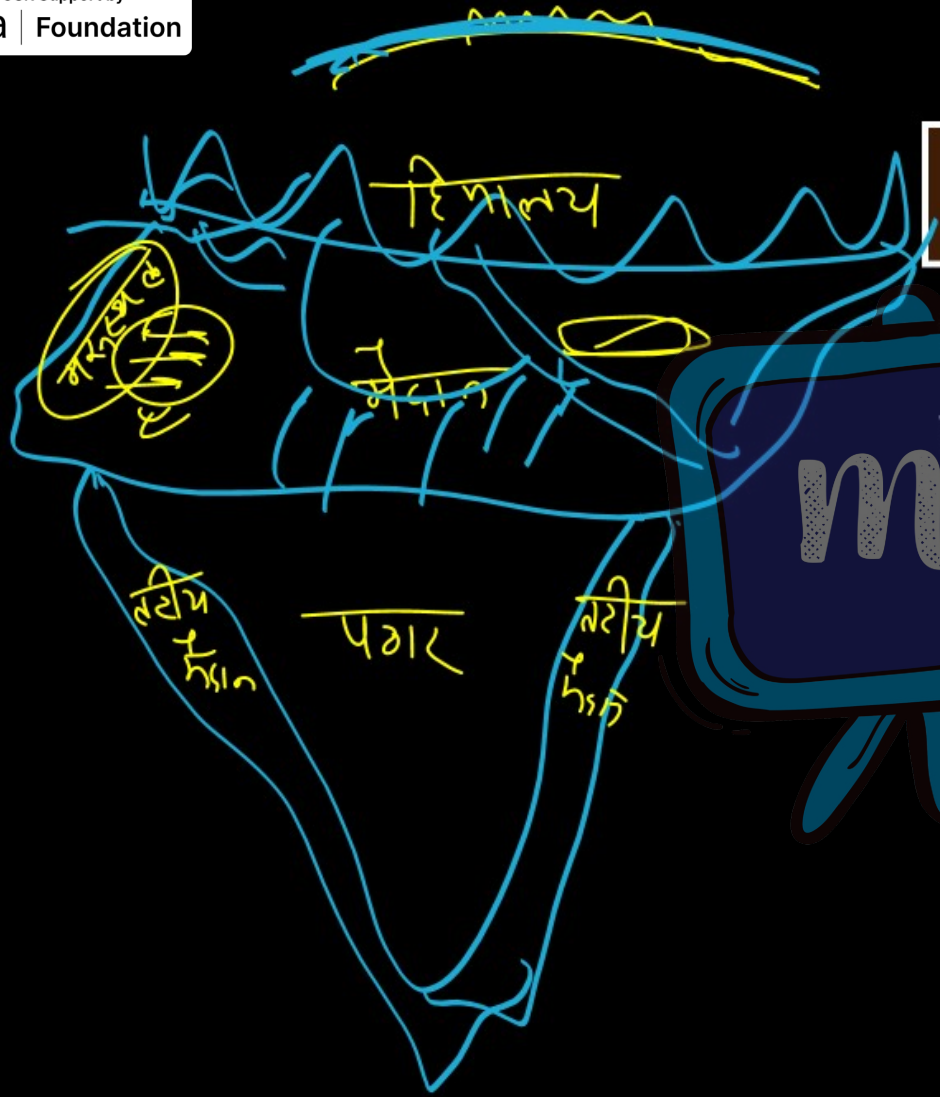
अन्तर्जनित बल

- धरातल के भागों को ऊपर उठाते हैं।
- भू-आकृतियों का निर्माण।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



तल संतुलन

अपरदन के माध्यम से उच्चावच के मध्य अन्तर का कम होना।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



भू-आकृतिक प्रक्रियाएँ

धरातल के पदार्थों पर अंतर्जनित एवं बहिर्जनिक बलों द्वारा भौतिक दबाव तथा रासायनिक क्रियाओं के कारण भू-तल के विन्यास में परिवर्तन।

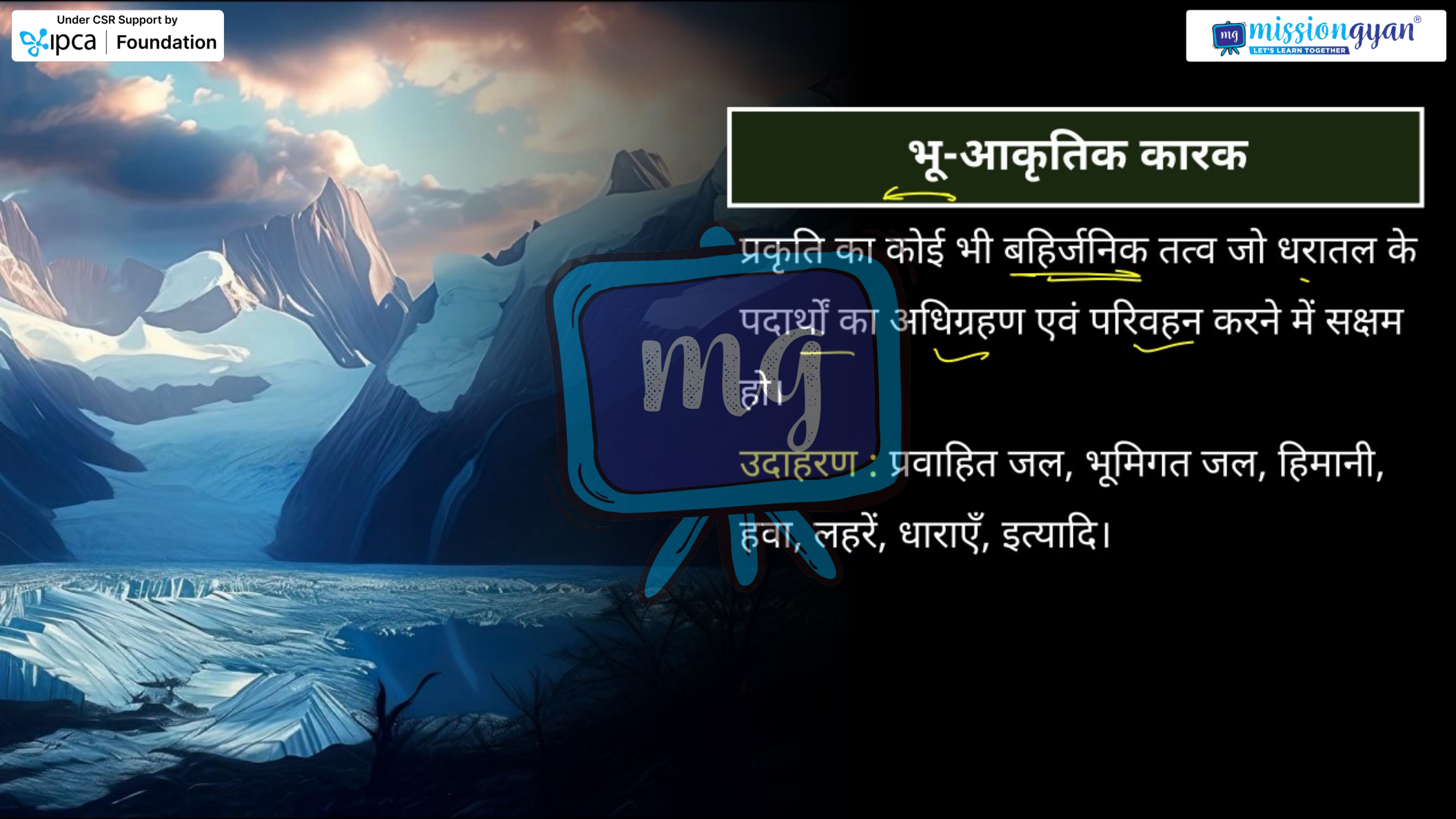
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भू-आकृतिक कारक

प्रकृति का कोई भी बहिर्जनिक तत्व जो धरातल के पदार्थों का अधिग्रहण एवं परिवहन करने में सक्षम हो।

उदाहरण : प्रवाहित जल, भूमिगत जल, हिमानी, हवा, लहरें, धाराएँ, इत्यादि।

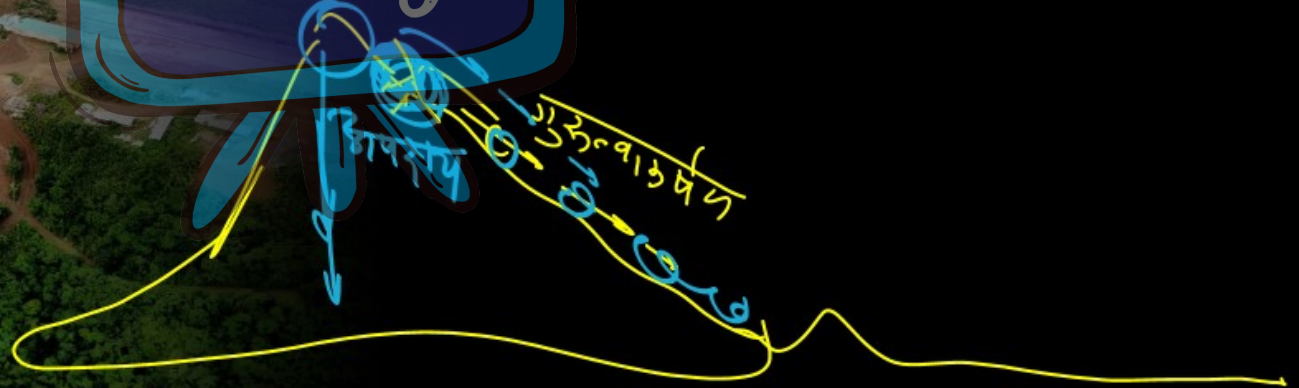
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

गुरुत्वाकर्षण

ढाल के सहारे सभी गतिशील पदार्थों को सक्रिय बनाने वाला दिशात्मक बल।

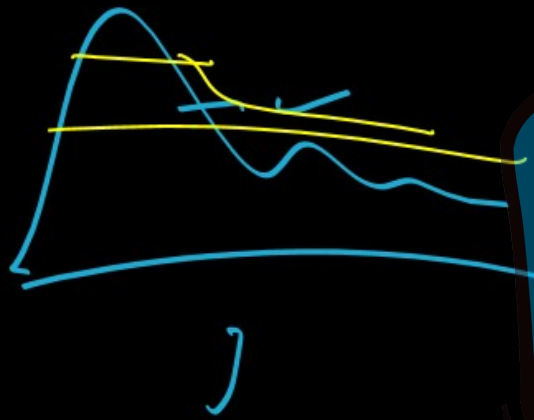
धरातल के पदार्थों पर दबाव।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1 | उभरी हुई भू-आकृतियों का विघर्षण होता है–



(अ) बहिर्जनिक बलों द्वारा

(ब) अन्तर्जनित बलों द्वारा

(स) (अ) व (ब) दोनों

(द) ना तो (अ), ना ही (ब)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2 निम्नलिखित में से कौनसी बहिर्जनिक, भू-आकृतिक प्रक्रियाएँ हैं?



अ अपक्षय

ब अपरदन

स वृहत क्षरण

द उपर्युक्त सभी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3 अन्तर्जनित भू-आकृतिक प्रक्रियाओं का उदाहरण हैं–



अ अपरदन

ब निक्षेपण

स ज्वालामुखीयता

द वृहत क्षरण

अपरदन विरूपण